

१०/५/८४
१०/५/८४



भारत का गज़ाफत्र Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 230] नई दिल्ली, भृगुस्तमिवार, अप्रैल 27, 1989/वैशाख 7, 1911
No. 230] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 1989/VAISAKHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह असाधारण भाग के
रक्ता का तर्क

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गोपनीय भृगुस्तमि संकालित

(प्रसाम पत्र)

भारतीय

पटे दिल्ली, १२ अप्रैल, १९८९

का. ना. २०६ (थ) :- केन्द्रीय गवर्नर, भारतीय प्रसाम प्रधिकारी, १९०८ की धारा ३३ की उप-
धारा (५) के साथ पठित गत-धारा (१) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के भृगु
संवादीय को प्रधिकृतता से ना. का. ना. २१३१, दिनांक २१ नवम्बर, १९५३ के प्रधिकारण में एकदारा
यह निर्देश देती है कि इस प्रधिकृतता के राजनीय राजपत्र में प्रकाशन से मात्र यिन्हें की तारीख में ही

राज्य केवल अंडमान और निकोबार द्वीप एवं उन में पोट ब्लैयर, एलिफाण्ट हारबर, कार निकोबार सदा केमोरता के पत्तनों में प्रवेश करने वाले उन जहाजों से जिनका उल्लेख यही संलग्न तालिका के कालम (1) में किया गया है, कालम (2) में अनुचर्ता प्रविष्टि में निविष्ट वर्गों पर सदा उक्त तालिका के कालम (3) में अनुचर्ता प्रविष्टि में निविष्ट प्रत्यय पर पत्तनसूक्ष्म मिथ्या जाएः—

तालिका

पत्तन किए जाने वाले जहाज	पत्तन देवताओं की प्रति दर ए.	उन जहाज से शूल किसी भार घटूत किया जाता है।
--------------------------	------------------------------	--

1

2

3

रु. वे.

(1) अमूर्त जहाज जो 10 टन से अधिक के ही परन्तु 1000 टम से अधिक न हो

(ए) बिंदी जहाज

1.75

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

(इ) तटीय जहाज

0.95

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

2. 1000 टम से अधिक के समृद्धामी जहाज

(क) बिंदी जहाज

2.70

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

(ख) तटीय जहाज

1.60

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

3. बालास्ट अद्वित पत्तन में प्रवेश करने वाले जहाज जो यात्रियों को नहीं तो निवारित पत्तन वेयता-
न हो हैं।

गद 1 और 2 में अर्थात् 3/4

4. पत्तन में प्रवेश करने वाले जहाज

गद 1 और 2 में

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

किसी भी कार्गी अपना

निवारित पत्तन

यात्रियों को उतारके अपना से आये देवताओं का 1/2
न हो (भरपूर के उद्देश्य से उतारें)(झीर में नादने वैसा भी भाव-
णक हो, को डॉइकर)

निवारित

प्रथेक प्रविष्टि के लिए

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

ORDER

New Delhi, the 27th April, 1989

S.O. 306 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (5) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. SRO 2131, dated the 21st November, 1953 the Central Government hereby directs that with effect from the date following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, port dues shall be levied on vessels entering the ports of port Blair, Elphenstone Harbour, Mayabunder Car Nicobar and Camorta, in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands and described in column (1) of the table hereto annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2) thereto and at the interval specified in the corresponding entry in column (3) of the said table:—

TABLE

Vessels chargeable	Rate of Port dues per ton	Due how often chargeable in respect of same vessel
1	2	3
	Rs. Ps.	
1. Sea-going vessels of more than 10 tons but not more than 1000 tons:		
(a) Foreign vessels	1.45	For each entry.
(b) Coasting vessels	0.95	For each entry.
2. Sea-going Vessels of more than 1000 tons:		
(a) Foreign vessels	2.70	For each entry.
(b) Coasting vessels	1.60	For each entry.

1

2

3

- | | | | |
|----|--|--|-----------------|
| 3. | Vessels entering port in ballast and not carrying passengers. | 3/4th of port dues specified in items 1 and 2. | For each entry. |
| 4. | Vessels entering the port but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for purposes of repair). | 1/2 of port dues specified in items 1 and 2. | For each entry. |

[F. No. PR—14019/10/88—PG]
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.